नये समाज की रचना का सूत्रधार बने महिलायें-सुलाता दवे

त्रिदिवसीय महिला सम्मेलन में देशभर से एक हजार महिलाओं ने भाग लिया

आबू रोड, 25 मई, निसं। महिलाये केवल समाज की रचना ही नहीं बल्कि एक बेहतर विश्व बना सकती है। समाज में बढ़ते अपराधों को रोकने तथा सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन करने में महती भूमिका निभा सकती है। इसलिए समय की मांग है कि महिलायें नये समाज की रचना का सूत्रधार बनें। ये विचार उड़ीसा से आयी राज्य स्तरीय सामाजिक कल्याण बोर्ड की अध्यक्षा सुलाता देवो ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज शांतिवन में महिला प्रभाग द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण द्वारा विकसित समाज विषय पर आयोजित किये गये राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के दौरान व्यक्त किये।

श्रीमति देव ने कहा कि आज सुखद है कि समाज के सभी क्षेत्रों में हमारी भागीदारी बढ़ रही है। परन्तु यह सकारात्मक दिशा में बढ़नी चाहिए। हमें केवल पुरूषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलना ही नहीं बल्कि उन्हें भी बेहतर समाज की रचना में भागीदार बनाने के लिए प्रेरित करना है। नारी लक्ष्मी और दुर्गा की रूप है इसलिए हमें अपने दुगुर्णों को त्याग कर अपने दैवी स्वरूप को धारण करने की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था में जितना महिलाओं को सम्मान दिया जाता है उतना पूरे संसार में कही भी देख्ने को नहीं मिलता है। साक्षात शक्ति स्वरूपा का रूप यहाँ देखने को मिलता है।

महिला प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा ब्र0 कु0 चक्रधारी ने कहा कि जब हम अपने असली रूप और स्वरूप को भूल जाते हैं तब हमारे कर्म हमारे योगयता के अनुरूप नहीं होते हैं। परमपिता परमात्मा शिव हमें दुर्गा, काली और सरस्वती बनाने की महान शिक्षा शिक्षा दे रहे हैं। अब युग बदल रहा है और सभी महिलाओं को इस बदलाव में अपनी भूमिका निभाते हुए स्वर्णिम समाज की रचना का भागीदार बनना है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र0 कु0 शीलू ने कहा कि नारी हमेशा से समाज उद्धारक की भूमिका में रही है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब धर्मगलानि का समय आया है तब महिलाओं ने आगे बढ़कर इसको बदलने में अपने दायित्वों का वहन किया है। इसलिए अब हमें अपने अन्दर के शक्तियों जागृत कर महान कार्य में सहयोगी बनना है। गुजरात राज्य स्तरीय सामाजिक कल्याण बोर्ड गुजरात की अध्यक्षा भावना बेन दवे ने संस्था की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि नारी का स्वरूप कैसा होना चाहिए इसका प्रबल उदाहरण ब्रह्माकुमारी बहनों में देखने को मिल रहा है। ये एक परिवार को नही बल्कि पूरे विश्व को बदलने की मुहिम में अपना जीवन समर्पित कर दिया है।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी ने राजयोग की व्याख्या पर विस्तृत से प्रकाश डालते हुए आयी सभी अतिथियों को ईश्वरानुभूति करायी। वहीं महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र0 कु0 डा0 सविता ने कार्यक्रम का संचालन किया।

तीन दिन तक चले इस राष्ट्रीय कार्यक्रम भारत तथा नेपाल से आयी एक हजार समाज सेवी महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने समाज में नैतिकता के गिर रहे स्तर को सुधारने तथा बुराईयों को समाप्त करने पर सामूहिक रूप से मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

फोटो, 25 एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 कार्यक्रम में आये महिलाओं को सम्बोधित करती अतिथि, दीप जलाकर कार्यक्रम का उदघाटन तथा सभी में बैठे महिलाओं का समूह।